BH$mB - IV

15. dh {M{S>¶m Om

àíZ ...

1. {MÌ ` ³¶m {X I m¶r X ahm h?
2. {M{S>¶m AmX`r H$ Amgnmg ³¶m h?
3. {M{S>¶m H$m OrdZ h`g {H$g àH$ma {^ÝZ h?

NmÌm H$ {bE gMZmE ...

1. nmR> nT>m& H${R>Z eãX Ama dm³¶ a I m{H$V H$s{OE&
2. H${R>Z eãXm Ama dm³¶m H$ ~ma ` {`Ìm g MMm H$s{OE&
3. H${R>Z eãXm H$ AW eãXH$me ` T>{T>E&

वह चिड़िया जो–
चोंच मारकर
दूध-भरे जुंडी के दाने
रुचि से, रस से खा लेती है
वह छोटी संतोषी चिड़िया
नीले पंखोंवाली मैं हूँ
मुझे अन्न से बहुत प्यार है।

वह चिड़िया जो–
कंठ खोलकर
बूढ़े वन-बाबा की खातिर
रस उँडेलकर गा लेती है
वह छोटी मुँह बोली चिड़िया
नीले पंखोंवाली मैं हूँ
मुझे विजन से बहुत प्यार है।

वह चिड़िया जो–
चोंच मारकर
चढ़ी नदी का दिल टटोलकर
जल का मोती ले जाती है
वह छोटी गरबीली चिड़िया
नीले पंखोंवाली मैं हूँ
मुझे नदी से बहुत प्यार है।

❑ केदारनाथ अग्रवाल

© SCERT not to be republished

पाठ के बारे में

कवि ने बताया है कि उसके स्वभाव में नीले पंखोंवाली एक छोटी चिड़िया है। वह संतोषी है, अन्न से बहुत प्यार करती है, वह अपनेपन के साथ कंठ खोलकर पुराने घने वन में बेरोक गाती है, मुँहबोली है, एकांत में भी उमंग से रहती है। वह उफनती नदी के विषय में जानकर भी जल की मोती-सी बूँदों को चोंच में भर लाती है। उसे स्वयं पर गर्व है। वह साहसी है। उसे नदी से लगाव है। कवि ने अपने भीतर की कल्पित चिड़िया के माध्यम से मनुष्य के महत्त्वपूर्ण गुणों को उजागर किया है।

g{ZE--~m{bE

1. H$N> n{j`m H$ Zm` ~VmBE&
2. Ame` ñnîQ> H$s{OE-
   (H$) ag CS>cH$a Jm cVr h&
   (I) MT>r ZXr H$m {Xc Q>Q>mcH$a Oc H$m `mVr c OmVr h&
3. Våh {M{S>`m Š`m AÀN>r cJVr h?

n{T>E

1. Bg H${dVm H$ AmYma na ~VmAm {H$ {M{S>`m H$m {H$Z-{H$Z MrOm g ß`ma h?
2. {M{S>`m dZ--~m~m H$s I m{Va Š`m H$aVr h?

{b{I E

1. {M{S>`m AnZr MmM g Š`m H$aVr h?
2. H$R> I mcH$a {M{S>`m Š`m H$aVr h?
3. "dh {M{S>`m Om" H${dVm H$m gmam e {b{I E&

eãX ^S>ma

{M{S>`m H$hm-H$hm {X I m`r nS>Vr h?

Og--~JrMm ....

gOZmË`H$ A{^ì¶p³V

1. H${dVm nT>H$a Våhma `Z ` {M{S>`m H$m Om {MÌ C^aVm h Cg {MÌ H$m H$mJO na ~ZmBE& Ama CgH$m dUZ H$s{OE&

àegm

1. n{j¶m g Amn ³¶m grI gH$V h? AnZ {dMma {b{I E&

© SCERT not to be republished

^mfm H$s ~mV

1. <u>पंखोंवाली</u> चिड़िया   <u>ऊपरवाली</u> दराज़
   <u>नीले पंखोंवाली</u> चिड़िया   <u>सबसे ऊपरवाली</u> दराज़

- यहाँ रेखांकित शब्द विशेषण का काम कर रहे हैं। ये शब्द चिड़िया और दराज़ संज्ञाओं की विशेषता बता रहे हैं, अतः रेखांकित शब्द विशेषण हैं और चिड़िया, दराज़ विशेष्य हैं। यहाँ 'वाला/वाली' जोड़कर बनने वाले कुछ और विशेषण दिए गए हैं। ऊपर दिए गए उदाहरणों की तरह इनके आगे एक-एक विशेषण और Om{S>E-

....	मोरोंवाला बाग
....	पेड़ोंवाला घर
....	फूलोंवाली क्यारी
....	स्कूलवाला रास्ता
....	हँसनेवाला बच्चा
....	मूँछोंवाला आदमी

2. वह चिड़िया.........जुंडी के दाने **रुचि से**.........खा लेती है।
   वह चिड़िया.........**रस उँडेलकर** गा लेती है।

- कविता की इन पंक्तियों में मोटे छापे वाले शब्दों को ध्यान से पढ़ो। पहले वाक्य में 'रुचि से' खाने के ढंग की और दूसरे वाक्य में 'रस उँडेलकर' गाने के ढंग की विशेषता बता रहे हैं। अतः ये दोनों क्रिया विशेषण हैं। नीचे दिए वाक्यों में कार्य के ढंग या रीति से संबंधित क्रिया विशेषण N>m{Q>E–

   (क) सोनाली जल्दी-जल्दी मुँह में bS>S> ठूँसने लगी।
   (ख) गेंद लुढ़कती हुई झाड़ियों में चली गई।
   (ग) भूकंप के बाद जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य होने लगा।
   (घ) कोई सफ़ेद-सी चीज़ धप्प-से आँगन में गिरी।
   (ङ) टॉमी फुर्ती से चोर पर झपटा।
   (च) तेजिंदर सहमकर कोने में बैठ गया।
   (छ) आज अचानक ठंड बढ़ गई है।

© NCERT not to be republished

³¶m ` ¶ H$a gH$Vm h?	हाँ (√)	नहीं (×)
1. H${dVm Jm gH$Vm h& gZm gH$Vm h& ^md ~Vm gH$Vm h&		
2. Bg ñVa H$s H${dVmAm H$m ^md nT>H$a g`P gH$Vm h&		
3. Bg ñVa H$ H${dVmAm H$m ^md g{hV ì¶m»¶m H$a gH$Vm h&		
4. H${dVmAm H$ eãXm g dm³¶ ~Zm gH$Vm h&		
5. H${dVm H$ eãXm g Z¶r H${dVm {b I gH$Vm h&		